लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5020
दिनांक 01.04.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

एकीकृत वस्त्र पार्क योजना के अंतर्गत क्लस्टर

5020. श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गोरखपुर में एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एस.आई.टी.पी.) से लाभान्वित होने वाले हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों की संख्या कितनी है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत गोरखपुर में वस्त्र पार्क और क्लस्टर के विकास के लिए आवंटित निधि के उपयोग का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त जिले में कारीगरों और बुनकरों को विपणन और कौशल विकास सहायता प्रदान की है;

(घ) गोरखपुर में हथकरघा बुनकरों के लिए अवसंरचना और कार्य स्थितियों में सुधार हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) गोरखपुर में स्थानीय हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग पर उक्त योजना का समग्र आर्थिक प्रभाव क्या रहा है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) तथा (ख): सरकार, वस्त्र इकाइयां स्थापित करने के लिए उद्योगों को अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने हेतु इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्क (एसआईटीपी) योजना कार्यान्वित कर रही है। इस योजना का उद्देश्य नए पार्कों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संभावित विकास केन्द्रों के रूप में निर्मित करना है। एसआईटीपी के तहत गोरखपुर में कोई हथकरघा और हस्तशिल्प पार्क तथा क्लस्टर स्वीकृत नहीं किया गया है।

हालांकि, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के घटक क्लस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत, संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार से पूर्ण प्रस्ताव प्राप्त होने पर गोरखपुर सहित देश भर में उत्पाद एवं डिजाइन विकास, उन्नत करघे/सहायक उपकरण, सोलर लाइटिंग यूनिट्स, वर्कशेड आदि जैसे विभिन्न इंटरवेंशन्स के कार्यान्वयन के लिए आवश्यकता आधारित वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत, गोरखपुर में 196 हथकरघा बुनकरों को कवर करने वाले एक हथकरघा क्लस्टर के लिए 31.16 लाख रुपये की वित्तीय सहायता जारी/उपयोग की गई।

इसके अलावा, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गोरखपुर जिले के 04 हस्तशिल्प क्लस्टरों के 1,200 कारीगरों को लाभान्वित करने के लिए 282.95 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

(ग) से (ङ): बुनकरों और कारीगरों की कार्य करने की परिस्थितियों एवं तकनीकी अवसंरचना में सुधार करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

I. तकनीकी क्षेत्रों अर्थात बुनाई, रंगाई, छपाई, डिजाइनिंग आदि में 2020-21 से 'वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना (समर्थ)' के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। गोरखपुर जिले में 34 हथकरघा बुनकरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

II. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के घटक हथकरघा मार्केटिंग सहायता के अंतर्गत, संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार से पूर्ण प्रस्ताव प्राप्त होने पर, गोरखपुर सहित देश भर में अपने उत्पादों की मार्केटिंग करने के लिए मेलों और प्रदर्शनियों के आयोजन हेतु पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को मार्केटिंग सहायता प्रदान की जाती है। गोरखपुर जिले में दो स्टेट हैंडलूम एक्सपो, एक 2021-22 में और दूसरा 2024-25 में स्वीकृत किए गए हैं।

III. विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय ने 2024-25 में 01 गाँधी शिल्प बाजार का आयोजन किया गया है। गोरखपुर जिले में वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक 05 प्रदर्शनियां, 15 इंटरवेंशन्स अर्थात गुरु शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम, डिजाइन और प्रौद्योगिकी विकास कार्यशाला तथा व्यापक कौशल उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इन हथकरघा और हस्तशिल्प योजनाओं के कार्यान्वयन से, समग्र आर्थिक प्रभाव के कारण गोरखपुर जिले सहित पूरे भारत में बुनकरों/कारीगरों की आय और कार्य दिवसों की संख्या में वृद्धि हुई है।

.....